

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल, शीर्ष पर है एमेलिया केर

नई दिल्ली

महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकार्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एमेलिया से पहले, आस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पाचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई।

वहीं भारतीय आलराउंडर दीप्ति भी इस विशिष्ट सूची का हिस्सा हैं। उन्होंने साल 2017 में आयरलैंड के खिलाफ 160 गेंदों पर 188 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। उनकी इस पारी में 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। 195 मिनट तक क्रीज पर रहकर दीप्ति ने 117.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह भारतीय महिला एकदिवसीय की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारियों में से एक है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने भी 17 अप्रैल 2024 को श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 147 गेंदों पर नाबाद 184 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 125.17 रहा।वहीं, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ने साल 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 156 गेंदों पर 182 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और दो छक्के जड़े। 116.66 के स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी महिला वनडे की बड़ी व्यक्तिगत पारियों की सूची में शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

पहली बार बीबीएल में खेलेंगे मुस्तफिजुर, मेलबर्न रेनेगेड्स ने बेहरेनडार्फ की जगह पर शामिल किया



मेलबर्न। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पहली बार आस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते दिखेंगे। मुस्तफिजुर को लीग के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। रेनेगेड्स ने चोटिल तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडार्फ की जगह पर मुस्तफिजुर को शामिल किया है। ये बांग्लादेशी गेंदबाज अपनी अपनी विविधता के लिए जाना जाता है। वहीं इससे पहले मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य गेंदबाजों में से एक बेहरेनडार्फ कंधे की सर्जरी के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। वह बीबीएली लीग के इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी अनुपस्थिति को देखते हुए फ्रेंचाइजी ने मुस्तफिजुर को टीम में शामिल किया है। मुस्तफिजुर को अपनी धीमी गेंदों, कटर और विविधता के कारण खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन होता है। इस तेज गेंदबाज के पास लंबा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी है। इसके अलावा उसने फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी काफी खेला है। इस गेंदबाज ने बांग्लादेश के लिए तीनों प्रारुपों में कुल 271 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 331 टी20 मैचों में 423 विकेट लिए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 16.9 का रहा है। उनके पास पावरप्ले से लेकर डेथ ओवरों तक विकेट निकालने की क्षमता है। मुस्तफिजुर के पास फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने नौ बांग्लादेश प्रीमियर लीग सत्र और आठ आईपीएल सत्र खेले हैं। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने आईपीएल का खिताब जीता था। यह उनका आईपीएल में डेब्यू सीजन भी था।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने पर मनिंदर ने उठाये सवाल



चंडीगढ। गुजरे जमाने के दिग्गज स्पिनर रहे मनिंदर सिंह ने कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा पर सवाल उठाये हैं। मनिंदर ने कहा है कि कुलदीप को किस कारण अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया जा रहा है ये समझ से परे है। मनिंदर के अनुसार कुलदीप का प्रदर्शन हमेशा ही अच्छा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार लगता है कि टीम प्रबंधन को उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसी वजह से उन्हें हर प्रारुप में काफी कम मौके मिल रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुलदीप ने अपने एकदिवसीय करियर में 124 मैचों में 201 विकेट लिए हैं, जो मौजूदा भारतीय टीम के किसी भी अन्य गेंदबाज से अधिक हैं। इसके बावजूद, न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। आम तौर पर उपमहाद्वीप के बाहर टीम संतुलन की बात कहते हुए कुलदीप को बाहर रखा जाता है। इसके तहत मुख्य कोच गौतम गंभीर नंबर 8 तक बल्लेबाजी वाली टीम को प्राथमिकता दे रहे हैं। हार्दिक के नहीं होने के कारण भारत ने आमतौर पर तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को रखा है। इसी कार पिछले दो साल में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया (सेना देश) में खेले गए 35 मुकाबलों में से कुलदीप सिर्फ तीन में ही खेल पाए हैं। मनिंदर ने कहा कि कुलदीप एकदिवसीय और टी20 के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उनको जगह नहीं मिल रही है।

भारतीय हाकी के दिग्गज के घर लाखों की चोरी: 1980 ओलंपिक में जीता स्वर्ण समेत 4 पदक ले गए चोर



बंगलूरू। भारतीय हाकी टीम के पूर्व खिलाड़ी एमएम सोमैया के बंगलूरू स्थित घर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोर उनके घर से कीमती सामान और नकदी के साथ वह स्वर्ण पदक भी चुरा ले गए, जिसे सोमैया ने 1980 के मास्को ओलंपिक में भारतीय टीम के सदस्य के रूप में जीता था। चोरों ने उनके घर से कुल चार अंतरराष्ट्रीय पदक, सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुओं पर हाथ साफ किया। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 3.53 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिवार के साथ बाहर गए थे सोमैया, पीछे से हुई चोरी पुलिस के मुताबिक, चोरी की यह घटना 28 अक्तूबर को बंगलूरू के एचएएल थर्ड स्टेज इलाके में हुई। यह क्षेत्र इंदिरानगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। 67 वर्षीय पूर्व हाकी खिलाड़ी एमएम सोमैया घटना के समय अपने परिवार के साथ कोडागु की यात्रा पर गए हुए थे। एफआईआर के अनुसार, चोरी का पता तब चला जब उनके एक पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला देखा। उसे घर में चोरी होने का संदेह हुआ, जिसके बाद उसने सोमैया को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध, तोड़कर घुसे थे दरवाजा सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, 28 अक्तूबर की रात करीब 2:34 बजे दो अज्ञात व्यक्ति सोमैया के घर में दाखिल हुए थे। एफआईआर में बताया गया है कि इनमें से एक ने नीले रंग की शर्ट और दूसरे ने लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी। दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

दक्षिण कोरिया को 8-1 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत, खिताब के लिए जापान से भिड़ंत

मोहाली



भारतीय पुरुष हाकी टीम ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्राफी पंजाब 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हाकी स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-1 से करारी शिकस्त दी। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना जापान से होगा।

भारत की जीत में शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, अंगद बीर सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने एक-एक गोल किया। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल हान सांगजुन ने किया।

मोहाली के इस स्टेडियम में भारत का यह पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। घरेलू दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम लीग चरण में अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर अपराजित रही थी और उसने सेमीफाइनल में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

भारत ने चौथे मिनट में शिलानंद के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, नौवें मिनट में हान सांगजुन ने कोरिया को बराबरी दिला दी। इसके तुरंत बाद कप्तान हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कार्नर पर दमदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को फिर आगे कर दिया। 13वें मिनट में गोलकीपर के बचाव के बाद मिले रिबाउंड पर शिलानंद ने अपना दूसरा गोल दागा।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय आक्रमण और तेज हो गया। सुखजीत ने 21वें मिनट में शानदार रिवर्स फ्लिक से गोल किया। इसी मिनट दिलप्रीत ने अंगद के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए भारत की बढ़त 5-1 कर दी। 25वें मिनट में हरमनप्रीत के लंबे हवाई पास को नियंत्रित कर दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल किया। मध्यांतर तक भारत 6-1 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम को एक अतिरिक्त खिलाड़ी मैदान पर उतारने के कारण पांच मिनट का येलो कार्ड झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए अंगद ने 36वें मिनट में भारत के लिए सातवां गोल किया। आखिरी क्वार्टर में कोरिया की टीम भारतीय रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रही। 54वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने शानदार व्यक्तिगत प्रयास से आठवां गोल दागकर जीत पर मुहर लगा दी। दो गोल करने वाले दिलप्रीत सिंह को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने जीत का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास को देते हुए कहा कि टीम की प्राथमिकता तय रणनीति को मैदान पर लागू करना था। उन्होंने मोहाली में परिवार और प्रशंसकों के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करने को विशेष अनुभव बताया। इससे पहले जापान ने पहले सेमीफाइनल में निर्धारित 60 मिनट तक गोलरहित मुकाबले के बाद पेनाल्टी शूटआउट में मलेशिया को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पांचवें-छठे स्थान के मुकाबले में चीन ने बांग्लादेश को 3-1 से पराजित किया।

भारत अब पांच नवंबर को शाम सात बजे जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा। मौजूदा चैंपियन टीम की नजरें छठी बार खिताब जीतकर एशियन चैंपियंस ट्राफी में अपनी बादशाहत और मजबूत करने पर होंगी।

आमिर आईपीएल नहीं अफगान लीग में खेलेंगे



लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि वह तय कार्यक्रम के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग में खेलेगे। आमिर ने कहा कि ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आईपीएल में उनके खेलने की जो अटकलें लगायी जा रही हैं । वह सही नहीं हैं। आमिर ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि आईपीएल में उनके खेलने की जो बातें कही जा रही हैं वे आधारहीन हैं।

इससे पहले कहा जा रहा था कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद आमिर का इरादा आईपीएल में भी खेलने का है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर के आईपीएल में खेलने की चर्चा शुरू हुई थी। उन्होंने हाल ही में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग के लिए भी अपना नाम दर्ज कराया है। इसके बाद माना जा रहा था कि वह ब्रिटिश खिलाड़ी के रूप में आईपीएल में जगह बनाने के प्रयास करसकते हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर अजहर महमूद भी इसी तरह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर आईपीएल में खेल चुके हैं।आमिर ने 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में हिस्सा लिया था। वह पंजाब किंग्स की पुरानी टीम किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेले और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा बने। आमिर ने इस साल इंग्लैंड की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता द हंड्रेड में स्थानीय खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। शुरुआत में विदेशी खिलाड़ी के तौर पर उनका नाम खिलाड़ियों की सूची में शामिल था, लेकिन बाद में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के कारण उनकी स्थिति बदल गई। स्थानीय खिलाड़ी के रूप में खेलने की शर्तों के बारे में आमिर ने पहले बताया था कि काउंटी चैंपियनशिप और द हंड्रेड जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता है। इसके तहत खिलाड़ी किसी दूसरे देश के लिए स्थानीय खिलाड़ी के रूप में नहीं खेल सकता। ।आमिर ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपनी स्विंग और तेज गेंदबाजी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाई थी।

अंडर-22 अंतर-जिला क्रिकेट: राजगढ़ ने विदिशा को 10 विकेट से हराया



भोपाल। भोपाल संभागीय क्रिकेट संघ की अंडर-22 अंतर-जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में राजगढ़ ने मेजबान विदिशा को 10 विकेट से पराजित किया। कनारा मैदान पर खेले गए दो दिवसीय मुकाबले में राजगढ़ के कप्तान योगेश यादव ने गेंद और बल्ले से निर्णायक योगदान दिया। टॉस जीतकर राजगढ़ ने पहले क्षेत्ररक्षण चुना। विदिशा की पहली पारी 47.1 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। जय रघुवंशी ने 32 और देव रघुवंशी ने 21 रन बनाए। राजगढ़ की ओर से राजेश सोंधिया और योगेश यादव ने तीन-तीन विकेट लिए।

जवाब में राजगढ़ ने 210 रन बनाकर 94 रन की बढ़त हासिल की। मानप्रताप सिंह ने 43, योगेश यादव ने 48 और किंशुक ने 56 रन बनाए। विदिशा के अमन नरवरिया ने पांच और ईशु अहिरवार ने चार विकेट लिए।

दूसरी पारी में विदिशा 43.2 ओवर में 117 रन पर आउट हो गई। देव रघुवंशी ने 28, विसुधा चौहान ने 26 और हितार्थ शाह ने 20 रन बनाए। राजगढ़ के सुजल शर्मा और योगेश यादव ने तीन-तीन विकेट लिए।

राजगढ़ को जीत के लिए 24 रन का लक्ष्य मिला, जिसे टीम ने पांच ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। योगेश यादव 21 और प्रज्ज्वल गुप्ता तीन रन बनाकर नाबाद रहे। योगेश यादव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एमपीसीए सीडीसी चेयरमैन हर्ष कुमार पांडे और बीडीसीए के सह सचिव संदीप सिंह डोंगर ने प्रदान किया।

भारतीय महिला हाकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी में जीत के इरादे से उतरेगी

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम 19 नवंबर से होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में तीन जीत हासिल की है। छह देशों का ये टूर्नामेंट 19 नवंबर से भोपाल में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ मैच से करेगी।



भारतीय टीम ने हाल ही में एशियाई खेलों में खिताब जीता था जिससे उसके हौंसले बुलंद है। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट राउंड-राबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ऐसे में भाग ले रही सभी छह टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी हालांकि भारतीय टीम को इस दौरार घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2016, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्राफी जीती थी है। ऐसे में वह चौथी बार ये खिताब जीतना चाहेगी ।भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसे 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलना है।

आईटीएफ एमटी-700 मास्टर्स टेनिस : भावेश, कार्तिकेय, पृथ्वी, श्रीकांत, विकास और जुलियन एकल फाइनल में

इंदौर



इंदौर टेनिस क्लब में चल रहे अंतरराष्ट्रीय आईटीएफ एमटी-700 मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद चार आयु वर्गों के फाइनलिस्ट तय हो गए। स्थानीय खिलाड़ी भावेश गौर, कार्तिकेय सिंह वर्मा, पृथ्वी शेखर, श्रीकांत रमानी, विकास चौधरी, फ्रांस के जुलियन मिजोन, नरेंद्र सिंह चौधरी और स्वर्णदीप सिंह ने खिताबी मुकाबलों में जगह बनाई। पुरुष युगल के तीन आयु वर्गों और मिश्रित युगल के एक आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले भी तय हो गए। 35 वर्ष पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त भावेश गौर ने अपने ही प्रदेश के माधव पाटीदार को 6-2, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त कार्तिकेय सिंह वर्मा से होगा। कार्तिकेय ने उलटफेर करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त गोविंद प्रसाद मौर्य को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

30 वर्ष पुरुष एकल में पृथ्वी शेखर और दूसरी वरीयता प्राप्त श्रीकांत रमानी के बीच खिताबी मुकाबला होगा। पृथ्वी ने तीसरी वरीयता प्राप्त जगन्मया पाणिग्रही को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि श्रीकांत ने चौथी वरीयता प्राप्त विवेक गुलिया को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी।

40 वर्ष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त विकास चौधरी ने दूसरी वरीयता प्राप्त मनोज सेवा को 6-0, 6-0 से हराकर उलटफेर किया। फाइनल में उनका सामना फ्रांस के शीर्ष वरीय जुलियन मिजोन से होगा। जुलियन ने तीसरी वरीयता प्राप्त आदित्य खन्ना को 6-2, 6-3 से पराजित किया। 45 वर्ष एकल के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त नरेंद्र सिंह चौधरी और दूसरी वरीयता प्राप्त स्वर्णदीप सिंह आमने-सामने होंगे। नरेंद्र ने जर्मनी के डेनियल को 6-1, 6-4 से, जबकि स्वर्णदीप ने तीसरी वरीयता प्राप्त रोशन भसीन को 6-2, 6-3 से हराया।

युगल में भी खिताबी मुकाबले तय - 30 वर्ष पुरुष युगल के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मधन पीवी कुमार और पृथ्वी शेखर की जोड़ी ने माधव पाटीदार और विशी पोरवाल को 6-0, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका सामना जगन्मया पाणिग्रही और श्रीकांत रमानी की जोड़ी से होगा। पाणिग्रही और रमानी ने सुमेश नायर तथा व्योमेश राणा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। 40 वर्ष पुरुष युगल का फाइनल भारत के आदित्य खन्ना और फ्रांस के जुलियन मिजोन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी तथा दूसरी वरीयता प्राप्त पुनार भसीन और रोहन भसीन की जोड़ी के बीच होगा। आदित्य और जुलियन ने प्रदीप प्रभाकर और बद्री विशाल को 6-0, 6-2 से, जबकि पुनार और रोहन ने आदित्य वाजपेयी और अर्जुन धूपर को 6-0, 6-1 से हराया। 45 वर्ष पुरुष युगल के सेमीफाइनल में एन. आनंद और एम. वाकनकर ने शीर्ष वरीयता प्राप्त निशांत गोयल और दिलीप मोहंती को 6-4, 6-1 से हराकर उलटफेर किया। दूसरे सेमीफाइनल में एस. डोडी और ए. खन्ना ने एन. चौधरी और एन. रूंगटा को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-0, 10-6 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

मिश्रित युगल में भी कड़े मुकाबले - 35 वर्ष मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जया कांत और चेतन ठोकरे ने संजना रावल और ए. सौधातर को तीन सेट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-0, 10-5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अंकिता बसवराजू और फ्रांस के जुलियन मिजोन ने ममता साहू और सुदीप्ति साहू को 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। दोनों विजेता जोड़ियां अब खिताब के लिए भिड़ेंगी।